फरीदाबाद
मजदूर समाचार
अनुभवों तथा विचारों के आदान-प्रदान के जरियों में एक जरिया

'मजदूर समाचार' की कुछ सामग्री अंग्रेजी में इन्टरनेट पर है। देखें—
< http://faridabad majdoorsamachar.blogspot.in >

डाक पता : मजदूर लाईब्रेरी, आटोपिन झुग्गी, एन.आई.टी. फरीदाबाद - 121001

नई सीरीज नम्बर **332** 1/— *फरवरी* **2016**

यशस्वी अवधि

आपने सुना है ?
तमिल नाडु में लुकास टी वी एस में
हफ्ते-भर इस जनवरी में
2400 ट्रेनी ने अद्‌भुत प्रक्रिया रची।
4 जनवरी को कैंटीन में
लन्च का बहिष्कार शुरू किया।
7 को नाइट शिफ्ट में
प्रोडक्शन बन्द कर दिया।
कम्पनी ने सुबह की शिफ्ट वालों को
अन्दर नहीं आने दिया।
रात की शिफ्ट ने बाहर निकलने से
इनकार कर दिया।
दस जनवरी तक यह ट्रेनी वरकर, 18 से 20 वर्ष आयु के,
फैक्ट्री के अन्दर और बाहर बैठे रहे।
कोई लीडर नहीं। सब सक्रिय।
FANTASTIC ! फैनटैस्टिक !
जब भी हम अपने आप को ऐसे पाते हैं,
फैक्ट्री के अन्दर कार्यस्थल पर
अथवा गेट के बाहर कई दिन,
तब बहुत-ही गहरी और व्यापक चर्चायें होती हैं।
अपने बीच। नये लोगों के साथ।
बहुत-सारे नाम याद आ जाते हैं।
आगे-पीछे की बातें याद आ जाती हैं।
गीत रचे जाते हैं। नये रिश्तों और नई सोच के प्रयोग।
एक सदा परिवर्तनशील घटना-प्रवाह, लहराता जीवन,
सदा नये रूप की ओर बढ रहा जीवन।
यह कहाँ से बोला ?
परन्तु प्रोब्लम यह है कि
इस अवधि को हम शब्दों में,
सोच में, जीवन के दर्शन में,
जीवन के गीत में,
विशाल आकार तक बढा नहीं पाते।
ये दिन होते तो हैं अद्‌भुत।
बहुरूपी आकृतियों की प्रतिध्वनि
तीव्रता से शारिरिक रूप में महसूस करते हैं।
बोलने में ही उल्लास महसूस कर रहा हूँ !
पर एक बात बहुत जटिल है।
अब क्या हुआ ?
जैसे ही हम इस अवधि से निकलते हैं
या निकाले जाते हैं,
वैसे ही एक व्यापार की भाषा,
सत्ता की भाषा,
हिसाब-किताब की भाषा
अपने प्रतिनिधियों के जरिये
प्रभाव डालने लगती है।
हमारे दिमाग और रिश्तों में कौन-सी भाषा होती है
जिस से डरते हैं
और जिस पर पर्दा डालने की
कोशिशें चलती रहती हैं ?
रुक । अभी रोहित वेमुला की यह बात सुन।
'' मनुष्य का मूल्य
उसकी तत्कालीन पहचान
और सब से कम दूरी की जीवन की सम्भावना में
सिकोड़ दिया गया है।
एक वोट। एक नम्बर। एक वस्तु।
मनुष्य को
एक बौद्धिक मन-मस्तिष्क के तौर पर
कभी नहीं लिया जाता।
जबकि
हम तारों की धूल से बने यशस्वी प्रवाह हैं।''
अरे !! यह सोच तो हमारे जीवन में
सतत, लगातार उभरती यशस्वी अवधियों को
उचित बल, प्रभाव, ओज दे सकती है।
चल कोशिश करते हैं।
यशस्वी अवधियों की खोज करते हैं।
और इसके लिये
नई भाषा ढूँढते हैं।
नई भाषा रचते हैं।

असंगत बन गये है

तेगी इन्टरनेशनल (एफ-47 ओखला फेज-1, दिल्ली) लैदर फैक्ट्री में हैल्परों को दिल्ली सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन नहीं, तनखा 5500-6000 रुपये। फैक्ट्री में पीने का पानी बहुत खराब — पेट में, सीने में दर्द।

मार्क एग्जास्ट सिस्टम (159-160 सैक्टर-5, 74 सैक्टर-4, 101 सैक्टर-8, आई एम टी मानेसर) फैक्ट्रियों में मारुति सुजुकी और होण्डा वाहनों के साइलैन्सर बनते हैं। हरियाणा सरकार द्वारा 1 नवम्बर 2015 से निर्धारित न्यूनतम वेतन भी नहीं देते।

ए जे इन्डस्ट्रीज (1 ए सैक्टर-6, फरीदाबाद) फैक्ट्री में नवम्बर से 30 ऑपरेटरों को हैल्परों वाला ग्रेड, 7600 रुपये। महिला व पुरुष 70 हैल्परों की तनखा 5500-6000-6500-7000 रुपये, ई एस आई नहीं, पी एफ नहीं। डायरेक्टर कहता है कि किसी वरकर से बात नहीं करेगा। मैनेजर काम करवाता है पर पैसे की बात पर कहता है कि ठेकेदार से बात करो।

आस्था एनवायरो इंजीनियर्स (543 वाई, फेज-2, सैक्टर-37, गुड़गाँव) फैक्ट्रियों में वाटर ट्रीटमेन्ट प्लान्ट लगाते हैं। आई टी आई, डिप्लोमा, बी. टेक. को 8000 रुपये तनखा पर रखते हैं। नौकरी छोड़ने पर महीना-बीस दिन के पैसे देने से मना कर देते हैं।

डी डब्लू एम (बी-7/1 ओखला फेज-2, दिल्ली) फैक्ट्री में सरकारी गाड़ियों के चेसिस बनाते वरकरों में 300 को दो ठेकेदार कम्पनियों के जरिये रखा है। इन 300 को दिल्ली सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन भी नहीं, ई एस आई नहीं, पी एफ नहीं। महीने में 80-100 घण्टे ओवर टाइम, भुगतान दुगुनी दर की बजाय सिंगल रेट से।

एमटेक ऑटो (53-54 सैक्टर-3, आई एम टी मानेसर) फैक्ट्री में 100 स्थाई मजदूर और दो ठेकेदार कम्पनियों के जरिये रखे 400 वरकर 12-12 घण्टे की दो शिफ्टों में। ओवर टाइम का भुगतान दुगुनी दर की बजाय सिंगल रेट से। ठेकेदारों के जरिये रखे ऑपरेटरों को, आई टी आई को नवम्बर से अकुशल श्रमिक वाली 7600 रुपये तनखा।

सतनाम ऑटोप्लास्ट (61/8 इन्डस्ट्रीयल एरिया, फरीदाबाद) फैक्ट्री में नवम्बर में 600 रुपये बढाने के बाद भी हैल्परों को 7600 की जगह 6400 रुपये तनखा। दो शिफ्ट 12-12 घण्टे की, ओवर टाइम का भुगतान दुगुनी दर की बजाय सिंगल रेट से।

जी के वी हाइटेक लेन्सेज (ई-41/4 ओखला फेज-2, दिल्ली) फैक्ट्री में ठेकेदार कम्पनी के जरिये रखे मजदूरों को दिल्ली सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन भी नहीं, तनखा 6500-7000 और ई एस आई नहीं, पी एफ नहीं।

सुपर स्टील फोर्जिंग (15 सैक्टर-4, फरीदाबाद) फैक्ट्री में हरियाणा सरकार द्वारा नवम्बर 2015 से निर्धारित न्यूनतम वेतन लागू नहीं किया है।

रैक्मो प्रेस (सी-59 ओखला फेज-1, दिल्ली) में स्कूल-कॉलेजों की किताबें छपती हैं और हैल्परों को दिल्ली सरकार द्वारा निर्धारित न्यनतम वेतन भी नहीं, तनखा 6000-7000 रुपये।

पाइनेक्स एक्सपोर्ट (बी-63 ओखला फेज-1, दिल्ली) फैक्ट्री में ठेकेदारों के जरिये रखे 50 मजदूरों को दिल्ली सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन भी नहीं, तनखा 5-6-7000 रुपये और ई एस आई नहीं, पी एफ नहीं।

सुरक्षाकर्मी

जी4 एस सेक्युरिटी कम्पनी ने दिल्ली में 7000 गार्डों को पी एफ के बकाया 134 करोड़ रुपये तो नहीं दिये हैं (कहते हैं केस चल रहा है) परन्तु फण्ड की राशि एक तिहाई तनखा की जगह पूरी तनखा पर जी 4 एस कम्पनी को लागू करनी पड़ी है।

हिन्दुस्तान इनवेस्टिगेशन एण्ड सेक्युरिटी सर्विस (एच आई एण्ड एस एस) फैक्ट्रियों को 10,000 गार्ड और वरकर सप्लाई करती है। नाइट चैकर को मोटर साइकिल दी है सरिता विहार से पृथला तक गार्डों की झपकी लेते की फोटो लेने के लिये। एक फोटो पर 100 रुपये कमीशन के चक्कर में नाइट चैकर रात-भर चक्कर लगाता है। गार्ड की नाइट रिपोर्ट में ओ के लिखा होता है पर तनखा के समय 500 रुपये काट लेते हैं — झपकी लेते की फोटो दिखा कर। हर महीने 100-200 फोटो के जरिये एच आई एण्ड एस एस 50,000-1,00,000 रुपये गार्डों की तनखा से काट लेती है।

सेन्टिनल सेक्युरिटी सर्विस (सी आर पार्क, दिल्ली में मुख्यालय) 32,000 गार्ड सप्लाई करती है। ओखला औद्योगिक क्षेत्र में सेन्टिनल के 260 गार्ड हैं। सब की 12-12 घण्टे की शिफ्ट, साप्ताहिक अवकाश नहीं, कोई छुट्टी नहीं। गार्ड को 12 घण्टे रोज पर 30-31 दिन के, ई एस आई व पी एफ राशि काट कर, 10,500-11,500 रुपये देते हैं।

ग्लोबल मैनेजमेन्ट एण्ड कन्सलटेन्ट (नेहरू ग्राउण्ड, फरीदाबाद) गार्डों को नवम्बर से देय 7980 रुपये तनखा की बजाय 5943 और 6200 रुपये तनखा दे रही है। दो शिफ्ट 12-12 घण्टे की, साप्ताहिक अवकाश नहीं, कोई छुट्टी नहीं। रोज 12 घण्टे पर 30-31 दिन के, ई एस आई तथा पी एफ राशि काट कर, 10,000-11,000 रुपये।

जी आई सेक्युरिटी सर्विस (तुगलकाबाद एक्सटेन्शन, दिल्ली) के गार्ड एल एण्ड टी की साइट पर 12-12 घण्टे की दो शिफ्टों में ड्युटी करते हैं, साप्ताहिक अवकाश नहीं, कोई छुट्टी नहीं। रोज 12 घण्टे और 30-31 दिन ड्युटी पर एल एण्ड टी की साइट पर गार्ड को ई एस आई व पी एफ काट कर 9850 रुपये देते हैं। एल एण्ड टी कम्पनी के खातों में गार्ड को महीने के 23,500 रुपये दर्शाते हैं। दिल्ली में ही अन्य स्थानों पर गार्ड को जी आई सेक्युरिटी 12 घण्टे रोज पर 30-31 दिन के 7000-8000 रुपये देती है।

और बातें यह भी

मेसो मैटलवेयर (20-21 सैक्टर-6, आई एम टी मानेसर) फैक्ट्री में शनिवार, 30 जनवरी को मैनेजमेन्ट ने ठेकेदार कम्पनियों के जरिये रखे 400 में से 50 वरकरों को सोमवार से ड्युटी नहीं कहा। और, इन्हें सोमवार को हिसाब दिलवाने के बाद मैनेजमेन्ट बोली कि कल से ड्युटी करो। इन 50 को वाउचर पर रखा है, इनकी अब ई एस आई नहीं, पी एफ नहीं। फैक्ट्री में पावर प्रैसों पर सैन्सर काम नहीं करते, हाथ कटते रहते हैं।

टेक सुरुची इंजीनियरिंग सोल्युशन्स/सुरुची/हिन्द उद्योग/ग्राइन्डवैल (55 बी इन्डस्ट्रीयल एरिया, फरीदाबाद) फैक्ट्रियों का डायरेक्टर एक है। वरकरों को तनखा ए टी एम द्वारा। नवम्बर की तनखा हैल्परों तथा ऑपरेटरों को 7600 अनुसार भेजी, ई एस आई व पी एफ राशि काट कर। और...... और नवम्बर में किये ओवर टाइम के पैसे 22 दिसम्बर को नकद दिये तब किसी के 400, किसी के 700, किसी के 1100, और किसी के 1600 रुपये काट लिये। वरकरों ने एतराज किया तब साहब बोले कि नया ग्रेड अप्रैल-मई से लागू करने का देखेंगे। दिसम्बर की तनखा 4 जनवरी को ए टी एम में भेजी और 22 जनवरी को ओवर टाइम के पैसे दिये तब फिर पहले की तरह पैसे काट लिये। कुछ सी एन सी ऑपरेटरों का दिसम्बर में ओवर टाइम नहीं लगा था। ऐसे वरकरों को एक-एक कर बुला कर साहब बोले कि 400, 700, 1100 रुपये वापस करो अन्यथा.... किसी मजदूर ने पैसे वापस नहीं किये।

हुबरसुन्नर इलेक्ट्रोनिक्स (125 सैक्टर-8, आई एम टी मानेसर) फैक्ट्री में 800 मजदूर 10-10 घण्टे की दो शिफ्टों में काम करते हैं, शनि और रवि की छुट्टी। वैसे रोज 12-12 घण्टे की ड्युटी रहती है, शनि तथा रवि को भी 12-12 घण्टे काम। ओवर टाइम का भुगतान 65 रुपये प्रतिघण्टा फिक्स है। ई एस आई तथा पी एफ काट कर हैल्परों को 22 दिन के 6500 रुपये देते हैं। लेकिन, हैल्पर-ऑपरेटर की बेसिक 6000-6200 रुपये है और ई एस आई तथा पी एफ राशि बेसिक पर काटते हैं, निर्धारित न्यूनतम वेतन से कम पर काटते हैं।

वी जी इन्डस्ट्रीज (31 इन्डस्ट्रीयल एरिया, फरीदाबाद) फैक्ट्री में नवम्बर से ई एस आई तथा पी एफ राशि 7600 पर काट रहे हैं पर तनखा 5887 रुपये ही दे रहे हैं। दो शिफ्ट 12-12 घण्टे की हैं, ओवर टाइम का भुगतान दुगुनी दर की बजाय सिंगल रेट से। यह मारुति सुजुकी की वैन्डर कम्पनी है। **(शेष पृष्ठ तीन पर)**

प्रिकोल (34-35 सैक्टर-4, आई एम टी मानेसर) फैक्ट्री में 50 स्थाई मजदूर और चार ठेकेदार कम्पनियों के जरिये रखे 600 वरकर 12-12 घण्टे

करना, अधिक करना, औ

वीयरवेल (बी-134 ओखला फेज-1, दिल्ली) कम्पनी द्वारा पी.एफ. जमा नहीं करने पर मजदूरों ने सितम्बर 2015 में 4 दिन लगातार लन्च बाद काम बन्द किया तब मैनेजमेन्ट ने 31 दिसम्बर तक फण्ड के पूरे पैसे जमा करने की बात कही थी। नहीं जमा किये। मजदूरों ने 1 फरवरी को सुबह से ही फैक्ट्री में उत्पादन बन्द कर दिया। 2 को भी प्रोडक्शन बन्द। कम्पनी ने 3 फरवरी को 4 महीने का फण्ड जमा किया। मजदूरों ने 12 बजे से काम शुरू किया। कम्पनी ने 25 फरवरी तक 3 महीने का और 31 मार्च तक बाकी बकाया फण्ड जमा करने के लिये वरकरों से टाइम माँगा है।

इण्डो ऑटोटेक (132-133 सैक्टर-8, आई एम टी मानेसर) फैक्ट्री में 800 मजदूर 20-25 लाइनों पर काम करते हैं। शिफ्ट सप्ताह में बदलती है। के 2 फोर रियर स्कूटी लाइन वालों को नाइट 15 रोज करने को कहा तो मजदूरों ने एतराज किया। इस पर 29 जनवरी को नाइट शिफ्ट आरम्भ होने के आधा घण्टे बाद , 7 बजे एक वरकर को निकाल दिया। लाइन पर काम कर रहे 45 मजदूरों ने काम बन्द कर दिया। निकाले वरकर को वापस लिया तब रात 8 बजे मजदूरों ने लाइन चलाई।

एवन ट्युबलाइन (42 सैक्टर-6, फरीदाबाद) फैक्ट्री में 140 मजदूर 12-12 घण्टे की दो शिफ्टों में काम करते हैं। नये ग्रेड के लिये दिन वाले 13 जनवरी को फैक्ट्री के अन्दर नहीं गये और रात वालों के साथ श्रम विभाग कार्यालय की ओर चले। मैनेजर ने रोकने की बहुत कोशिशें की पर वरकर रुके नहीं। श्रम अधिकारी को फोन पर साहब बोलते रहे कि नया ग्रेड दे दिया है। लेकिन कम्पनी अधिकारियों को श्रम विभाग पहुँचना पड़ा। नवम्बर से एरियर के साथ नया ग्रेड 7 फरवरी को देना तय हुआ।

ऑटो इग्निशन/ऑटो लेक (49 कि. मी. स्टोन, मथुरा रोड़, पृथला) फैक्ट्री में सफाई कर्मियों को नवम्बर की तनखा 7600 दी तो वरकरों ने एतराज किया। आश्वासन — दिसम्बर की तनखा में एरियर के साथ दे देंगे। दिसम्बर की तनखा भी वही 7600 रुपये। सुबह 6½ की शिफ्ट में 20 सफाई कर्मी 8 जनवरी को फैक्ट्री में गये, सफाई नहीं की। प्रोडक्शन वरकर 8½ फैक्ट्री पहुँचे तब साहब बोले कि काम शुरू करो, हम सफाई करवाते हैं। सफाई कर्मियों ने सफाई नहीं की और 10 बजे गेट पर बैठ गये। मैनेजमेन्ट ने ठेकेदार को बुलाया और सफाई कर्मियों की तनखा 8100 रुपये। सफाई कर्मियों ने 9 जनवरी को सुबह कार्य आरम्भ किया। और, 12 जनवरी को यूनियन प्रधान परमानेन्ट वरकरों से बोला कि ऑपरेटर ग्रेड 9700 है इसलिये कम्पनी बेसिक में 1500 बढाये तब काम शुरू करना है। लीडर ने यह बातें 10½ बजे के टी-ब्रेक में कही। परमानेन्ट के साथ ठेकेदार कम्पनी के जरिये रखे प्रोडक्शन वरकर भी टी-ब्रेक के बाद काम बन्द कर बैठ गये। प्रबन्धकों ने 11 बजे यूनियन प्रधान से मीटिंग की, 300 बढा देंगे, काम शुरू करवाओ, इनकार। साँय 5½ तक उत्पादन बन्द रहा। बुधवार, 13 जनवरी को सुबह 8½ फैक्ट्री पहुँचे तब प्रधान दो-तीन को यह बोल कर निकल गया कि बात हो गई है, काम शुरू करो, श्रम विभाग जा रहा हूँ, पलवल से आऊँगा तब बताऊँगा। उत्पादन आरम्भ। फिर 10 दिन यूनियन लीडर वरकरों से नहीं मिला। 1500 की जगह 600 पर समझौते की बातें 20 जनवरी को स्थाई मजदूरों के बीच आई।

थीम एक्सपोर्ट (डी-5 ओखला फेज-1, दिल्ली) फैक्ट्री में 16 जनवरी को एक फ्लोर पर मजदूरों ने 10 बजे काम बन्द किया तब साहब बोले कि दिसम्बर की तनखा अभी देते हैं, काम चालू करो। उत्पादन आरम्भ। वेतन नहीं दिया। दूसरे फ्लोर वालों ने 1 बजे काम बन्द कर दिया। दिसम्बर की तनखा 16 जनवरी को साँय 4½ बजे दी। फैक्ट्री में 4 मंजिलों पर 1000 मजदूर काम करते हैं।

लुमैक्स यू के (46 सैक्टर-3, आई एम टी मानेसर) फैक्ट्री में दिसम्बर की तनखा 7 जनवरी तक नहीं दी — 8 जनवरी को दिन की शिफ्ट में लन्च से पहले मजदूरों ने काम बन्द कर दिया। लुमैक्स मैनेजमेन्ट बोली कि 15 को तनखा दे देंगे, 2½ बजे काम आरम्भ। पैसे नहीं दिये — 16 जनवरी को सुबह 7 से वरकरों ने काम बन्द कर दिया। मैनेजमेन्ट बोली कि 25 को दे देंगे, 1½ बजे काम शुरू। फिर 21 जनवरी को ठेकेदार कम्पनी के जरिये रखे 110 में से 35-40 को निकालने लगे तो 11 बजे सब मजदूरों ने काम बन्द कर दिया। कम्पनी ने पुलिस बुला ली और फिर डायरेक्टर पुलिस के साथ चला गया। कम्पनी ने उन 35-40 को नहीं निकालने की बात की तब साँय 7 बजे मजदूरों ने काम आरम्भ किया। दिसम्बर की तनखा 25 जनवरी को भी नहीं दी और डायरेक्टर ने आना बन्द कर दिया। स्टाफ की तनखा नवम्बर से बकाया। वरकरों को दिसम्बर का वेतन 29 जनवरी को दिया और डायरेक्टर फैक्ट्री आने लगा। दो फरवरी को फिर ठेकेदार वाले 35-40 को निकालने की बात। इस पर 3 फरवरी को सुबह 7 से ही सब मजदूरों ने काम बन्द कर दिया। डायरेक्टर 10 बजे आया और बोला कि कोई वरकर नहीं निकाला जायेगा, तनखा आगे से 10 तारीख तक दे देंगे। लन्च बाद काम आरम्भ।

ओरियन्ट इलेक्ट्रिक (11 सैक्टर-6, फरीदाबाद) फैक्ट्री में लन्च ब्रेक 45 मिनट का। नवम्बर 2015 में नया मैनेजर बोला कि लन्च आधे घण्टे का रहेगा। पँखा असेम्बली की दिन में 7 लाइनें चलती हैं, एक लाइन पर 45-50 वरकर, 95 प्रतिशत टेम्परेरी वरकर। नया मैनेजर 12½ ही लाइनों पर आ कर सुना कर सुपरवाइजरों से कहता कि देखो कौन लाइन बन्द करता है, पकड़ो, निकाल दो। कनवेयर लाइनों को कभी कोई आगे से, कभी कोई पीछे से बटन दबा कर बन्द कर देता। हल्ला। साढे तीन सौ मजदूर पौने एक बजे 7 लाइनें बन्द कर 1½ बजे तक लन्च के लिये चल देते। कुछ दिन कोशिश कर मैनेजर थक गया।

और बातें यह भी .... *(पेज दो का शेष)*

की दो शिफ्टों में हीरो, सुजुकी, यामाहा, मारुति सुजुकी, स्वराज, आयशर, सोनालिका वाहनों के मीटर और थ्रीव्हीलरों के ऑयल पम्प बनाते हैं। ओवर टाइम के 100 घण्टे हैं तो उन्हें कागजों में 50 घण्टे दिखा कर भुगतान दुगुनी दर से दिखाते हैं। हैल्पर हो चाहे ऑपरेटर, पहले ई एस आई तथा पी एफ 5887 पर काटते थे और नवम्बर से 7600 पर काटने लगे हैं। पहले ऑपरेटर को निवास भत्ता 1500-2000 रुपये था। प्रिकाल कम्पनी के अनुसार नवम्बर से कमरे बहुत-ही सस्ते हो गये हैं इसलिये निवास भत्ता 1500-2000 की जगह 200 रुपये कर दिया है। नवम्बर से पहले ऑपरेटर को महीने के कुल 8500 रुपये थे और नवम्बर में नये ग्रेड लागू होने के बाद भी 8500 रुपये ही हैं।

वी जी कौशिको (126 सैक्टर-24, फरीदाबाद) फैक्ट्री में नवम्बर से ई एस आई तथा पी एफ राशि 7600 पर काट रहे हैं पर तनखा 5887 रुपये ही दे रहे हैं। दो शिफ्ट 12-12 घण्टे की हैं, ओवर टाइम का भुगतान दुगुनी दर की बजाय सिंगल रेट से। यह मारुति सुजुकी की वैन्डर कम्पनी है।

रूप ऑटो (439-440 सैक्टर-8, आई एम टी मानेसर) फैक्ट्री में 100 स्टाफ के लोग, 15 परमानेन्ट मजदूर, चार ठेकेदार कम्पनियों के जरिये रखे 700 मजदूर दो शिफ्टों, सुबह 6½ से साँय 5 तथा साँय 5 से अगली सुबह 6½, में वाहनों के स्टीयरिंग शाफ्ट और स्टीयरिंग योक बनाते हैं। नवम्बर से नये ग्रेड पर कम्पनी बहुत मगजमारी कर रही है। सब वरकरों की बेसिक 7600 कर दी है। लेकिन, प्रति नाइट पर 20 रुपये भत्ता खत्म कर दिया है। रविवार को ड्युटी पर 10 रुपये प्रति घण्टा अलाउन्स समाप्त कर दिया है। पूर्ण उपस्थिति पर जो 400 थे वे अब 750 कर दिये हैं और एक छुट्टी पर यह 750 गये। ऑपरेटर तनखा वहीं की वहीं है।

★ अपने अनुभव व विचार मजदूर समाचार में छपवा कर चर्चाओं को और बढवाइये। नाम नहीं बताये जाते और अपनी बातें छपवाने के कोई पैसे नहीं लगते। ★ बाँटने वाले फ्री में यह करते हैं। सड़क पर मजदूर समाचार लेते समय इच्छा हो तो बेझिझक पैसे दें। ★ महीने में एक बार छापते हैं, 13,000 प्रतियाँ निशुल्क बाँटने का प्रयास करते हैं।

चर्चाओं के लिए समय निकालें।

बहुत कमजोर और बहुत–ही कमजोर हैं कम्पनियाँ

1992 में जापान में मैनेजमेन्टों के बीच स्थाई और अस्थाई मजदूर विषय पर व्यापक विचार-विमर्श हुआ था। इस में एक बात यह थी कि स्थाई मजदूर कुछ महँगे पड़ते हैं पर कम्पनी के प्रति उनमें कुछ लगाव रहता है। दूसरी बात यह थी कि अस्थाई मजदूर कुछ सस्ते पड़ते हैं पर कम्पनी के प्रति उन में बिलकुल भी वफादारी नहीं रहती। साहब लोगों को 1992 में भी खतरा साफ-साफ दिख रहा था।

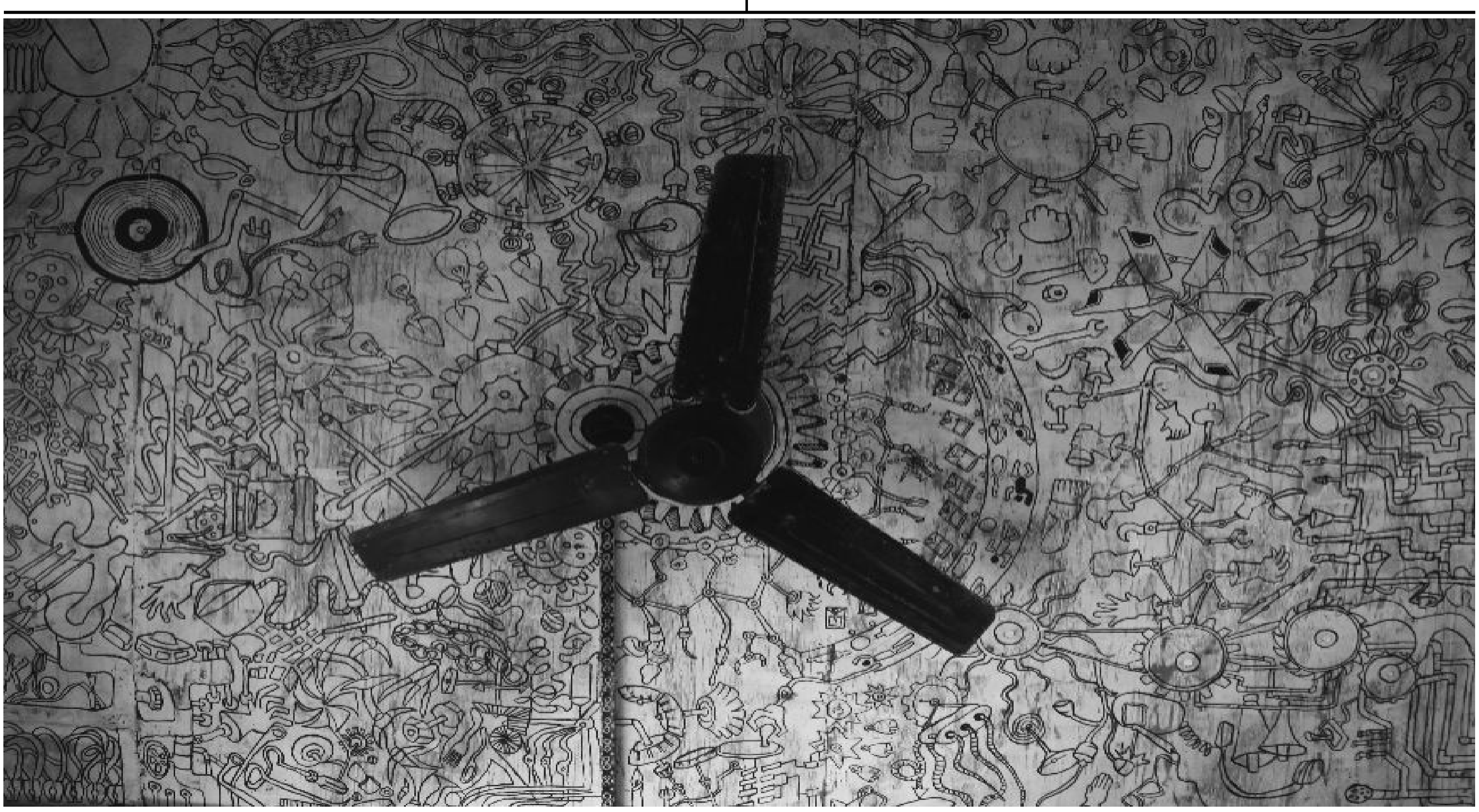
यह कम्पनियों की स्थिति का बहुत कमजोर होना है कि इस दौरान विश्व-भर में कम्पनियों और उनकी सरकारों के परमानेन्ट वरकरों की सँख्या तेजी से घटी है और टेम्परेरी वरकरों की सँख्या तेजी से बढी है। फैक्ट्रियों की ही बात करें, और यहाँ की ही बात करें तो, स्थाई मजदूर पाँच, दस, बीस प्रतिशत और अस्थाई मजदूर अस्सी, नब्बे, पिचानवे-निन्यानवे प्रतिशत हैं।

आज 20-22 वर्ष आयु के वरकर का 10-12 कार्यस्थलों के, 5-7 प्रकार के कार्य का अनुभव रखना सामान्य होता जा रहा है। अस्थाई मजदूरों से उस फैक्ट्री को, जहाँ वे कार्य करते हैं, उसे हर समय खतरा रहता है। अस्थाई मजदूरों से उस पूरे औद्योगिक क्षेत्र को हर समय खतरा रहता है जहाँ कभी इस तो कभी उस फैक्ट्री में टेम्परेरी वरकर कार्य करते हैं। अस्थाई मजदूरों का एक से दूसरे औद्योगिक क्षेत्र जाना, निकट वालों से ले कर दूर-दूर वाले औद्योगिक क्षेत्रों में जाना आम बात होती जा रही है। सरकारों द्वारा बनाई सीमाओं के पार बड़ी सँख्या में मजदूर आ-जा रहे हैं। इस फैक्ट्री का वरकर, इस ट्रेड का मजदूर, इस शहर-इस क्षेत्र-इस देश का मजदूर वाली पहचानें खिसक रही हैं, वैश्विक मजदूर-ग्लोबल वरकर वास्तव में, ठोस आकार में हमारे सम्मुख है। ऐसे में ''कोई भी व्यक्ति मजदूर हो ही क्यों?'' – यह प्रश्न संसार में उमड़-घुमड़ रहा है। और, यह सवाल है जो कि कमजोर कम्पनियों की कमजोर सरकारों की लड़खड़ाहटों को बढा रहा है।

सुरक्षा के लिये गार्ड...... कम्पनियाँ बहुत कमजोर और बहुत-ही कमजोर हैं इसलिये इन बीस वर्षों के दौरान कम्पनी के अपने गार्डों का स्थान ठेकेदारों के जरिये रखे गार्डों ने ले लिया है। यहाँ आसपास तो गार्डों द्वारा 12-12 घण्टे की शिफ्टों में महीने के 30-31 दिन ड्युटी करना बहुत-ही व्यापक है। तीन वर्ष पूर्व कहे एक गार्ड के शब्द : ''फैक्ट्री में आग लग जाये तो मेरा काम आग बुझाना नहीं है। मेरा काम आग को देखना है। पूरी फैक्ट्री जल कर राख हो जाये तब मेरा काम उस राख की रखवाली करना है। राख को एकत्र कर ढेर बना दिये जाने पर मेरा काम वहाँ ड्युटी देना है और कोई पूछे तो बताना है कि यहाँ जो फैक्ट्री थी उसकी राख है यह ढेर।''

'' सुरक्षा सर्वोपरि '' की स्थिति यह है : जुलाई 2012 में मारुति सुजुकी मानेसर फैक्ट्री में बड़ी सँख्या में मैनेजर पिट रहे थे तब सैंकड़ों गार्ड और पुलिस के जवान तटस्थ थे। बीस फरवरी 2013 को नोएडा में जब फैक्ट्रियों पर आक्रमण हो रहा था तब गार्ड और पुलिस तटस्थ थे। गार्डों और पुलिस की तटस्थता 21 फरवरी 2013 को ओखला औद्योगिक क्षेत्र में फैक्ट्रियों पर आक्रमण के दौरान जारी रही। जनवरी 2014 में मजदूरों के समूह जब पृथला-बघौला औद्योगिक क्षेत्र में एक के बाद दूसरी फैक्ट्री को बन्द करवा रहे थे तब गार्ड और पुलिस जवान तटस्थ बने रहे। फरवरी 2015 में उद्योग विहार, गुड़गाँव में मजदूरों से डरे डायरेक्टर और मैनेजर जब भाग रहे थे तब फैक्ट्रियों के गार्ड और पुलिस के जवान तटस्थ बने रहे.. .... कैमरे पर कैमरे और औद्योगिक क्षेत्र में सैंकड़ों कमाण्डो तैनात करना बहुत कमजोर कम्पनियों और उनकी बहुत कमजोर सरकारों की मुँह बोलती तस्वीर है।

फैक्ट्री मजदूरों के सम्बन्ध में कम्पनियों की सरकारों द्वारा बनाये कुछ कानून यह हैं : 8 घण्टे की ड्युटी; साप्ताहिक अवकाश; निर्धारित न्यूनतम अथवा उससे अधिक वेतन; 7 अथवा 10 तारीख से पहले तनखा का भुगतान; स्थाई कार्य के लिये स्थाई मजदूर; ओवर टाइम का भुगतान दुगुनी दर से; तीन महीने में 50 घण्टे से ज्यादा ओवर टाइम नहीं; फैक्ट्री में भर्ती वाले दिन ही ई.एस.आई. तथा पी.एफ. लागू करना; एक्सीडेन्ट होने पर एक्सीडेन्ट रिपोर्ट भरना।



फरवरी में हर रविवार को मिलेंगे। सुबह 10 से देर साँय तक अपनी सुविधा अनुसार आप आ सकते हैं। फरीदाबाद में बाटा चौक से थर्मल पावर हाउस होते हुए रास्ता है। ऑटोपिन झुग्गियाँ पाँच-सात मिनट की पैदल दूरी पर हैं।

Ph. 0129-6567014 E-mail < majdoorsamachartalmel@gmail.com > , < baatein1@yahoo.co.uk >

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं सम्पादक शेर सिंह के लिए रौनिजा प्रिन्टर्स फरीदाबाद से मुद्रित किया। सौरभ लेजर टाइपसैटर्स, बी–551 नेहरु ग्राउंड, फरीदाबाद द्वारा टाइपसैट। RN 42233 पोस्टल रजिस्ट्रेशन L/HR/FBD/73/15-17